

## दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर टक्कर में जयपुर के 6 लोग घायल

अलवर, 21 अप्रैल (निर्सं)। दिल्ली-मुंबई सुपर एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार तड़के करीब साढ़े चार बजे एक कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई, जिससे कार में सवार बिजनेसमैन परिवार के छह लोग घायल हो गए। सभी घायलों को अलवर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि पिकअप को बचाने के चक्कर में यह हादसा हुआ।

बड़ौदामेव थाना प्रभारी मोहन गुर्जर ने बताया कि एक्सप्रेस-वे पर साढ़े चार से पांच बजे के बीच में हुआ है। जयपुर के दादी का फाटक निवासी बिजनेसमैन पुनीत अग्रवाल (42) अपनी मां अल्का अग्रवाल (66), पत्नी बबिता अग्रवाल (38) और पुत्र सौरभ (9) और लक्ष्य (11) के साथ हरिद्वार चूमने गए थे। बिजनेसमैन परिवार मंगलवार सुबह करीब साढ़े चार बजे हरिद्वार से जयपुर लौट रहा था। एक्सप्रेस-वे पर अचानक एक पिकअप उनकी अर्टिगा कार के सामने आ गई। उसे बचाने के प्रयास में कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। कार चला रहे

दादी का फाटक के बिजनेसमैन पुनीत अग्रवाल परिवार सहित हरिद्वार से लौट रहे थे।

जयपुर निवासी अमित चौधरी ने कार का संतुलन बनाने की कोशिश की, लेकिन कार आगे चल रहे ट्रक से जा भिड़ी। कार में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद पिकअप व ट्रक वाले फरार हो गए। बिजनेसमैन पुनीत अग्रवाल के बेटे लक्ष्य ने बताया कि उनके पापा को सबसे ज्यादा चोट आई है। पिकअप वाले मौके से भाग गए। उसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। फिर उनको अस्पताल पहुंचाया गया। राहगीरों ने घायलों की मदद की। पुलिस और पुलिसिंग मौके पर पहुंची और सभी घायलों को अलवर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

## ‘सीजेआई सूर्यकांत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाग लिया, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत भी शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एम.एम. सुंदरेश ने इस भूमिका में आने वाली चुनौतियों और कड़ी मेहनत के बारे में बात की। न्यायाधीश सुंदरेश ने तमिल में कहा कि इतने विशाल देश का मुख्य न्यायाधीश होना आसान काम नहीं है। उन्होंने सीजेआई सूर्यकांत की दिनचर्या को उजागर करते हुए बताया कि वे प्रतिदिन 17-18 घंटे काम करते हैं, रात को लगभग 3 बजे सोते हैं और फिर

सुबह 7 बजे उठ जाते हैं। “बार एंड बैच” की रिपोर्ट के अनुसार, सीजेआई सूर्यकांत ने भारत की न्यायिक प्रणाली में निचली अदालतों की केन्द्रीय भूमिका पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि जबकि सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालय कानून को आकार देते हैं, जिला अदालतें इसे लोगों के दैनिक जीवन में वास्तविक अर्थ देती हैं। अधिकांश नागरिकों के लिए जिला अदालतें न्याय तक पहुंचने का पहला और अक्सर एकमात्र साधन होती हैं, जिससे ये न्याय वितरण प्रणाली की रीढ़ बनती हैं।

## सीवर में सफाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके कारणों की विस्तृत जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही उन्होंने सुरक्षा मानकों को पुनः समीक्षा कर उन्हें और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान, मुख्यमंत्री ने सी.डी.यू. (कूड डिस्ट्रिक्शन यूनिट) में लगी आग को तत्परता से काबू में करने वाले अग्निशमन कर्मियों और आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों से मुलाकात कर उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि समय रहते आग पर नियंत्रण पाना बड़ी राहत की बात है, जिससे बड़ा नुकसान टल गया।

## ईरान युद्ध में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करते हैं। इस प्रकार, स्थिति और गंभीर हो गई है, क्योंकि अमेरिका ने दो ईरानी जहाज ज्वर कर लिए हैं, एक ओमान की खाड़ी में और दूसरा हिन्द महासागर में।

ट्रम्प ने औपचारिक इंटरव्यू में कहा कि चीन युद्ध सामग्री ईरान भेज रहा प्रतीत होता है। उन्होंने चीन को लेकर अपनी अप्रसन्नता और निराशा व्यक्त की और कहा कि उन्हें लगता था कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनके बीच ईरान को युद्ध सामग्री की आपूर्ति को लेकर ठीक-ठाक समझझूझ है।

खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, चीन ईरान को उगत गोला-बारूद और वायु रक्षा प्रणालियाँ भेज रहा था। ट्रम्प ने आगे चेतावनी दी कि यदि चीन ने ऐसा किया तो उसे बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने पहले चेतावनी दी थी कि यदि चीन ईरान को किसी आपूर्ति में शामिल हुआ तो उस पर 50 शूल्क

लगाया जा सकता है।

ईरान ने वार्ता शुरू होने से पहले अपने जहाजों की तत्काल रिहाई की मांग की है। दूसरी ओर, अमेरिका वार्ता शुरू होने से पहले ईरानी मांगों को स्वीकार करने के मूड में नहीं है। दोनों देशों के बीच यह झुबानी लड़ाई इस तथ्य के संदर्भ में हो रही है कि ईरान और अमेरिका के बीच अस्थायी युद्धविराम बुधवार तक समाप्त होने वाला है।

दोनों पक्ष वार्ता से पहले अपनी शक्ति दिखा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ईरानी पावर प्रोजेक्ट, पुल और अन्य बुनियादी ढरूप पर बमबारी फिर से शुरू करने की गंभीर धमकियाँ दे रहे हैं और ईरानी सैन्य प्रवक्ताओं ने फिर से युद्ध के लिए तैयार होने का संकेत दिया है।

ऐसा प्रतीत होता है कि युद्ध एक बार शुरू हो जाने पर मुश्किल से नियंत्रित किया जा सकेगा और यह दिशाहीन भी हो सकता है।

## प्रशांत किशोर की पुरानी कंपनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

“हमने अभी तक घबराने का बटन नहीं दबाया है। अब अभियान के अंतिम 10 दिन हैं। हम इसे अपने अभियान पर अस्तर डालने नहीं देंगे।”

एक अन्य स्रोत ने कहा कि आई-पैक को पार्टी की जीवनेरखा कहना अतिशयोक्ति है, और यह नोट किया कि कुछ कर्मी हैं, लेकिन वैकल्पिक सिस्टम अब सक्रिय हैं।

तृणमूल सूत्रों ने कहा कि आई-पैक पेशेवर अब भी उनके साथ काम कर रहे हैं, और अधिकांश घर या दूरस्थ स्थानों से अभियान की निगरानी कर रहे हैं।

आई-पैक के हालिया कार्य का केन्द्र विनीश चंदेल, प्रतीक जैन और ऋषिराज सिंह सहित एक मुख्य नेतृत्व समूह रहा है। चंदेल को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य को इंडी द्वारा समन भेजे गए हैं। इनमें प्रतीक जैन तृणमूल के अभियान तंत्र में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। अपनी तीक्ष्ण डेटा अंतर्दृष्टि और मतदाता भावना की गहन समझ के लिए आंतरिक रूप से जाने जाने वाले

जैन, अधिपेक बनर्जी के उदय के इर्द-गिर्द रणनीति बनाने में गहराई से शामिल रहे हैं।

उन्होंने “ननो जोवार” अभियान जैसे आउटरीच प्रयासों के डिजाइन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो राज्यव्यापी यात्रा के इर्द-गिर्द बनाई गई थी और बनर्जी को जमीनी कनेक्ट वाला नेता दिखाती थी। जून 2023 पंचायत चुनावों और 2024 लोकसभा चुनावों के रणनीति का भी केन्द्र बिंदु रहे, जहाँ तृणमूल ने अपनी संख्या बढ़ाई, जिससे उनकी पार्टी के वॉररूम में प्रभावशीलता मजबूत हुई।

वर्ष 2024 में तृणमूल ने भाजपा से बेहतर प्रदर्शन किया, क्योंकि उसने समझा कि 2018 के पंचायत चुनावों में हुई हार 2019 में 18 सीटें जीतने में मदद की थी। प्रतीक जैन ने पार्टी की रणनीति को सीमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस बीच, द्रमुक के लिए ऋषिराज सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, आई-पैक और पार्टी नेतृत्व के बीच मुख्य इंटरफेस के रूप में काम किया।

## पूर्व क्रिकेटर व तृणमूल सांसद युसुफ पठान के ससुर व साले मुम्बई में गिरफ्तार हुए

### दोनों पर तीन अन्य व्यक्तियों के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है

-जाल खंबाता-  
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। पूर्व क्रिकेटर और तृणमूल कांग्रेस के सांसद युसुफ पठान के ससुरालियों को आज मुंबई में एक परिवार के तीन सदस्यों पर हमले के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पठान के ससुर और साले उनके खिलाफ आरोपी हैं कि उन्होंने बांस की छड़ और बेसबॉल बैट से एक व्यक्ति और उसके रिश्तेदारों को पीटा, क्योंकि उनकी कार से पानी छिड़क गया था।

घटना मुंबई के भायकला क्षेत्र की है। किसी अन्य युसुफ पठान द्वारा चलाई जा रही कार के गुजरने पर खालिद पठान और शोएब खान, जो पूर्व क्रिकेटर के ससुर और साले हैं- पर सड़क पर जमा कीचड़ के छिंटे पड़ गए। इसके बाद पहले तो मौखिक विवाद हुआ और फिर झड़प हो गया। पीड़ित पक्ष के सलमान

■ घटना भायकला की है, जहां सड़क पर पानी भरा हुआ था वहां से एक कार गुजरी और पानी के छिंटे युसुफ पठान के ससुर व साले पर पड़ गए फिर उन्होंने कार में सवार तीन लोगों से मारपीट की।

ने बताया “मेरा भाई युसुफ पठान और मैं दिनर से लौट रहे थे, तभी कुछ कीचड़ शोएब नामक व्यक्ति पर छिंटक गया।” “हमने कार रोकी और माफ़ी मांगी, लेकिन शोएब ने नहीं सुना और हमारी कार की विंडशील्ड तोड़ दी।”

जब पीड़ित, युसुफ पठान और उनके परिवार के सदस्य पुलिस स्टेशन जाने के लिए बाहर निकले, तो उन पर हमला किया गया।

पीड़ित ने बताया, “जब मेरे पिता और मैं अपने भाई को अस्पताल ले जा रहे थे, आठ से नौ हथियारबंद व्यक्ति सामने आए और हम पर हमला करना

शुरू कर दिया। उन्होंने हम तीनों को पीटा।”

खालिद और शोएब पर आरोप है कि उन्होंने बांस की छड़ और बेसबॉल बैट से परिवार पर हमला किया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। आरोपियों ने कथित रूप से जान से मारने की धमकियाँ दीं और फिर मौके से फरार हो गए।

शिकायतकर्ता के भाई सलमान का हाथ टूट गया, जिसे डॉक्टरों के अनुसार ठीक होने में एक साल लग सकता है। पीड़ितों को जेजे अस्पताल में चिकित्सा उपचार दिया जा रहा है।

## मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतीत होता है कि विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता की परीक्षा है। दूसरी ओर, भाजपा के कार्यकर्ता ऐसे किसी भी अवसर की प्रतीक्षा करते हैं और प्रधानमंत्री के पक्ष में खड़े होने के लिए तैयार रहते हैं। उदाहरण के लिए, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने स्पष्ट किया कि उन्होंने केवल यह आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री विपक्षी दलों को डराने के लिए केन्द्रीय जाँच एजेंसियों (इंडोसीबीआई आदि) का डर पैदा कर रहे हैं। फिर भी, भाजपा का शोर और तेज हो गया, क्योंकि पार्टी कार्यकर्ता यह मान रहे हैं कि खड़गे और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने “मोदी को आतंकवादी कहकर 140 करोड़ भारतीयों का अपमान किया।”

चेन्नई में द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए प्रचार करते समय, खड़गे ने कथित रूप से मोदी को “आतंकवादी” बताया और कहा कि भाजपा समानता और न्याय में विश्वास नहीं करती। उन्होंने पूछा, “वे (आईडीएमके) मोदी के साथ कैसे जुड़ रहे हैं, तो इसका मतलब है कि वे लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं।” बाद में खड़गे ने स्पष्ट किया कि उनका मतलब यह था कि मोदी अन्य राजनीतिक दलों को केन्द्रीय जाँच एजेंसियों के इस्तेमाल के डर से आतंकित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा तिल का ताड़ बना रही है।

## केरल में पटाखा युनिट में विस्फोट, 13 की मौत

### त्रिशूर के विख्यात उत्सव की तैयारी के लिए युनिट में बड़े पैमाने पर पटाखे बन रहे थे

त्रिशूर, 21 अप्रैल। केरल के त्रिशूर जिले के मुंडाथिकोड क्षेत्र में मंगलवार को दोपहर करीब 3:30 बजे एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए भीषण विस्फोट ने पूरे इलाके को दहला दिया। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 मजदूरों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार केरल के प्रसिद्ध त्रिशूर पूरम उत्सव के लिए पटाखों की तैयारी में जुटी इस पटाखा फैक्टरी में हादसे के समय करीब 40 मजदूर मौजूद थे। विस्फोट के बाद कई मजदूर आग की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए। घायलों को तत्काल सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल सहित आसपास के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, धमाका इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। कुछ ही मिनटों में आग की ऊंची लपटों और घने धुएँ ने पूरे परिसर को अपनी गिरफ्त में ले लिया। राहत और बचाव कार्य के दौरान भी बीच-बीच में छोटे धमाके होते रहे, जिससे बचाव दलों को काफी मुश्किलों का सामना

■ धमाका बहुत शक्तिशाली था कई किलोमीटर दूर तक इसकी आवाज सुनाई दी और फिर कुछ ही मिनटों में आग की ऊंची लपटों ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया।

करना पड़ा।

मौके पर पहुंचे एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि वहां लगभग 40 मजदूरों के लिए खाने का इंतजाम किया गया था, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि हादसे के वक्त वहां इतने लोग मौजूद रहे होंगे।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक विस्फोट एक अस्थायी शेड में हुआ, जहां पटाखों का निर्माण और भंडारण किया जा रहा था। हालांकि, विस्फोट के सटीक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन सुरक्षा मानकों की अनदेखी को आशंका जताई जा रही है।

## ‘महिला की ‘आउट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद मतदाता सूची से बाहर कर दी गई थी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता शादान फ़रासत (याचिकाकर्ता की ओर से) की सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया।

जुडिशियल ऑफिसर द्वारा 27 मार्च को याचिकाकर्ता का आवेदन खारिज करने के आदेश पर आपत्ति जताते हुए, वरिष्ठ वकील ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता के पास पासपोर्ट है, वह 2002 की मतदाता

सूची का हिस्सा रही है और तब से लगातार मतदान कर रही है। फ़रासत ने यह भी बताया कि याचिकाकर्ता केवल सीमित राहत की मांग कर रही हैं, यानी विशेष (आउट-ऑफ-टर्न) सुनवाई की, क्योंकि सूची 27 अप्रैल को बंद हो जाएगी। जब सीजेआई ने पूछा कि क्या याचिकाकर्ता ने न्यायाधिकरण से संपर्क किया है, तो याचिकाकर्ता ने उत्तर दिया, “हाँ, मैंने 3 अप्रैल को आवेदन किया था, लेकिन दुर्भाग्यवश सुनवाई नहीं हुई। मैं केवल यह अधिकार (आउट-ऑफ-टर्न सुनवाई) चाहती हूँ और मैं आगे न्यायालय में आगे बढ़ूँगी।”

## नाबालिग से दुष्कर्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राजेश चौधरी ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के पिता ने 14 अक्टूबर, 2023 को मानसरोवर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि दोपहर के समय उसकी पत्नी सोकर उठी तो कमरे में पन्द्रह वर्षीय पुत्री नहीं थी। जब उसकी तलाश करते हुए, वह छत पर गई तो वहाँ अभियुक्त उसकी नाबालिग बेटे के साथ दुष्कर्म कर रहा था। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घटना के

दिन ही अभियुक्त को गिरफ्तार किया और बाद में अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

सुनवाई के दौरान, पीड़िता ने अभियोजन पक्ष की कहानी दोहराते हुए कहा कि अभियुक्त ने उसके साथ पहले भी दुष्कर्म किया था। विरोध करने पर उसने पीड़िता को डरा धमकाकर चुप करा दिया था। वहीं अभियुक्त और उस से कहा गया कि उसे प्रकरण में फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया।

## हाईकोर्ट की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुआवजे के लिए आवेदन कर सकते हैं और आवासन मंडल भी विधि सम्मत कार्रवाई के लिए स्वतंत्र है।

राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ के इस फैसले के बाद हाऊसिंग बोर्ड ने करीब 2200 करोड़ रुपये की इस बेशकीमती जमीन का कब्जा लेने के लिए गत 16 अप्रैल को मौके पर तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू कर दी थी। इस दौरान स्थानीय लोगों ने हाऊसिंग बोर्ड के अधिकारियों और ध्वस्तिकरण के लिए पहुंचे जे.सी.बी. मशीनों पर पथराव किया था। थारी पुलिस जाब्जा था इससे आवासन मंडल की टीम ने जमीन के कुछ हिस्से पर बनी हुई बाइंड्री वॉल, कोठरियाँ और अन्य अतिक्रमणों को ध्वस्त कर दिया था। पंरतु मौके पर स्थानीय लोगों के बढ़ते विरोध और पथराव के बाद हाऊसिंग बोर्ड अधिकारियों ने कार्रवाई रोक दी थी। इस घटनाक्रम के बाद 17 अप्रैल

को श्रीराम कॉलोनी विकास समिति ने खंडपीठ में अपील दायर की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह और अशोक कुमार जैन ने इस प्रकरण को सुनवाई 20 अप्रैल तक टाल दी थी। इस दौरान हाऊसिंग बोर्ड ने भी अदालत को आश्वस्त किया था कि जब तक कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ में इस प्रकरण की सुनवाई नहीं होती, तब तक मौके पर पेशेसन लेने की कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

अब हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के गत 9 अप्रैल के उस आदेश को ही स्थगित कर दिया है, जिसमें जयपुर में बी-डू-बाईपास पर स्थित 42 बीघा जमीन को आवासन मंडल की मानते हुए 31 जुलाई, 1981 के अधिनियम द्वारा अधिपेक को अवैध मानते हुए शून्य घोषित किया गया था। अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार और जेडीए सहित, अन्य से जवाब मांगा है।

## प्र.मंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन पर कांग्रेस ने विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया

### कांग्रेस सांसद वेणुगोपाल ने लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखकर नोटिस भेजा

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। संसद की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष एवं कांग्रेस महासचिव (संगठन) केशी वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 18 अप्रैल को राष्ट्र के नाम संबोधन को लेकर विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विपक्षी सांसदों पर टिप्पणी की और उनके मतदान पेट्टर पर सवाल उठाए।

वेणुगोपाल ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष को दिए पत्र में कहा कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए उनके मतदान व्यवहार पर न केवल सवाल उठाए,

■ वेणुगोपाल ने कहा संविधान के अनुच्छेद 105 के तहत संसद में किसी सांसद के भाषण या मतदान पर संसद के बाहर टिप्पणी करने का अधिकार किसी को भी नहीं है।

बल्कि उनके इरादों पर भी संदेह जताया। यह कार्य संसद के विशेषाधिकार का उल्लंघन और सदन की अवमानना है। प्रधानमंत्री का इस तरह का भाषण शक्ति का दुरुपयोग है और यह लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है।

प्रधानमंत्री का यह संबोधन महिला आरक्षण से जुड़े संविधान (131वां संशोधन) विधेयक-2026 के

लोकसभा में पास नहीं होने के एक दिन बाद किया गया था।

वेणुगोपाल ने कहा कि 16 एवं 17 अप्रैल को विपक्षी दलों के सभी सांसदों ने महिला आरक्षण का समर्थन किया था। उन्होंने 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम का जिक्र करते हुए मांग की कि महिला आरक्षण को तत्काल लागू

किया जाए। उन्होंने कहा कि 131वें संशोधन विधेयक के जरिए सरकार ने अनुच्छेद 82 में बदलाव कर परि सीमन से जुड़ी संवैधानिक सुरक्षा को हटाने की कोशिश की। विपक्ष का विरोध इसी कारण था, जबकि महिला आरक्षण के प्रति उनका समर्थन स्पष्ट और एकमत था। वेणुगोपाल ने कहा कि संसद की परंपरा और अनुच्छेद 105 के तहत किसी भी सदस्य के भाषण या मतदान पर किसी व्यक्ति, यहां तक कि प्रधानमंत्री को भी टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। ऐसा करना संसद की गरिमा को कमजोर करता है और सांसदों के स्वतंत्र कर्तव्यों में हस्तक्षेप करता है।



राजस्थान सरकार

**स्वच्छ धरती, सुरक्षित कल**

**यही है हमारा असली संवर्ल**

# पृथ्वी दिवस

## 22 अप्रैल, 2026

**एक पेड़ मां के नाम,  
हरियाली राजस्थान एवं  
मुख्यमंत्री वृक्षारोपण  
महा अभियान के तहत प्रदेश में ढाई  
वर्षों में 19 करोड़ पौधे लगाए गए**






**इस पृथ्वी दिवस पर संकल्प लें - पेड़ लगाएं, जल बचाएं और प्रदूषण को दूर करें।**

**अपने आस-पास स्वच्छता बनाए रखें और धरती को हरियाली से भरकर आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर भविष्य दें।**

पर्यावरण विभाग, राजस्थान